Proceedings of the

Multidisciplinary National Seminar on

Benchmarking Excellence in Research & Innovation

Sponsored By

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL, BENGALURU

21st - 22nd July 2023

Organized By

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

GURUKUL MAHILA MAHAVIDYALAYA

Accredited "B+" Grade by NAAC

Gurukul Complex, Kalibadi Road, Raipur (C.G.)

Web : www.gmm.ac.in, Email : info@gurukulraipur.com

Phone No. 0771-4053443

ISBN : 978-81-964202-0-8

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं पुस्तकालय का योगदान : उपयोगी ऑनलाइन डाटाबेस का अध्ययन

संजय शाहजीत[1] अमृत कुमार पोर्ते[2]

[1]सहायक प्राध्यापक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

sanjayshahjit@matsuniversity.ac.in

[2]रिसर्च स्कॉलर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान,मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

amritporte239@gmail.com

सारांश

शोध एक विस्तृत प्रकिया है जिसके माध्यम से नए ज्ञान को परिभाषित किया जाता है। विभिन्न विषयों पर गहराई से अध्ययन करने और नवीनतम ज्ञान की खोज करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उच्च शिक्षा में शोध छात्रों को स्वतंत्रता और निर्णायक सोच का आदान करता है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। उच्च शिक्षा शोध के क्षेत्र में यूजीसी की भूमिका एक महत्वपूर्ण और संगत संबंध हैं। यूजीसी एक भारतीय सरकारी निकाय है जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नियमन, आदर्शों की स्थापना और शिक्षागत विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है। उच्च शिक्षा शोध में पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। पुस्तकाल उच्च शिक्षा शोध में ज्ञान की मुख्य आपूर्ति हैं विभिन्न विषयों पर लिखी गई पुस्तकें छात्रों को विस्तृत ज्ञान, सिद्धांत, और अवधारणात्मक देती हैं। यह उन्हें विषयों की मूलभुत संरचना, संगठन, और विशेषज्ञता के साथ परिचित कराती है। पुस्तकालय छात्रों एवं शोधकर्ताओं के विचारों को प्रशासनिक और सामाजिक प्रभाव देने में मदद करता है। यह छात्रों को सामाजिक मुद्दों, नैतिकता, और विचारों के विभिन्न पहलुओं के साथ परिचित कराता है। ऑनलाइन स्वरूप में आज अनेकों ऐसे वेबसाइटों का डाटाबेस ऑनलाइन माध्यम में उपलब्ध है जिनका शोधकर्ता अपने शोध कार्यों के अध्ययन के लिए अधिगम करते है। जो शोधार्थियों के लिए अत्यधिक लाभदायक है।

कुंजी शब्द– उच्च शिक्षा, शिक्षा और शोध, यूजीसी, ऑनलाइन डाटाबेस, नई शिक्षा नीति–2020।

उच्च शिक्षा में शोध का परिचय

शिक्षा और शोध वैज्ञानिक समुदाय के लिए अहम पहलू हैं। शोध एक विस्तृत प्रकिया है जिसके माध्यम से नए ज्ञान को परिभाषित किया जाता है। और इसे उच्च शिक्षा में गहराई से अध्ययन करता है। शोध शिक्षा की मूलभूत भूमिका का हिस्सा है और यह विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर गहराई से अध्ययन करने और नवीनतम ज्ञान की खोज करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

शोध के लक्ष्यों में से एक लक्ष्य नए ज्ञान की खोज करना होता है। शोध कार्य द्वारा, छात्रों को एक विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिलता है और इसके साथ ही उन्हें नवीनतम ज्ञान का भंडार भी होता है। शोध छात्रों को स्वतंत्रता और निर्णायक सोच का आदान करता है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है।

शोध की प्रक्रिया विभिन्न चरणों से गुजरती है। पहले चरण में, छात्र को एक शोध प्रस्तावित करना होता है, जिसमें उन्हें अपने शोध के उद्देश्य, प्रश्न, अध्ययन की विधियां, और संग्रह और विश्लेषण के तरीके या तकनीकों का वर्णन करना होता है। इसके बाद, उन्हें अपने शोध के लिए आवश्यक संसाधनों का चयन करना होता है, जिसमें पुस्तकालय, आंकडे, प्रयोगशाला या इंटरनेट शामिल हो सकता है।

इसके बाद शोध के माध्यम से संग्रहित डेटा की विश्लेषण और व्याख्या की जाती है। छात्रों को अपने शोध पर विचारशीलता और विचारशक्ति का प्रदर्शन करना होता है, और इसके आधार पर वे अपने परिणामों को एक रिपोर्ट या थीसिस के रूप में लिखा जाता है और छात्रों को अपने अनुसंधान को एक परियोजना के रूप में प्रस्तुत करना होता है।

शोध का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू प्रश्नों का परिचय और संभावित उत्तरों की खोज है। इसके माध्यम से, शोध समुदाय नए समस्याओं का पता लगाता है और इसे हल करने लिए नए विधानों को लागू करता है।

साहित्यिक समीक्षा–

कबराल, एना पॉल और हुट, इजाबेल, 2011 "उच्च शिक्षा में शोधः छात्र शिक्षण और शिक्षण की भूमिका" यूरोप में विगत 20 वर्षों में शोध गुणवत्ता के लिए प्रकियाएं शुरू की गई थी, तब से संगठनों में शोध की गुणवत्ता में सुधार करना शुरू किया। प्रस्तुत पत्र में शिक्षण परिणाम एवं भूमिका पर जोर दिया गया है। शोध मूल्यांकन प्रणालियों के शिक्षण, छात्रों के रूचि के प्रभाव का अध्ययन

किया गया है। उच्च शिक्षा में अलगावादी हानिकारक हो सकते हैं और शिक्षण और सीखने दोनों के परिणाम में अपेक्षित भिन्नता हो सकती है।

सिरसवाल, देशराज 2016 "भारत में उच्च शिक्षा और शोधः एक सिंहावलोकन" उच्च शिक्षा मानवीय विकास के लिए बहुत जरूरी है जो देश सामाजिक, आर्थिक और वैज्ञानिक विकास के लिए प्राथमिकता से किया जाता है। भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली पहले की अपेक्षा सकारात्मक रहा है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेज गति से विकास ने कई वैश्विक चुनौतियां पेश की है। युवाओं के मानसिक विकास और नैतिक मूल्यों पर मीडिया का प्रतिकूल प्रभाव देखा जा सकता है। उच्च शिक्षा प्रणाली में तकनीकी एवं वैज्ञानिक विकास के साथ समन्वय बनाए रखने की आवश्यकता है।

सीएम, मलिश 2019, "उच्च शिक्षा अनुसंधान के क्षेत्र" भारत में उच्च शिक्षा की शुरूआत तीन विश्वविद्यालय के साथ शुरू हुआ था चूंकि उच्च शिक्षा बहुआयामी है। एक ज्ञान का उदय अर्थव्यवस्था में ज्ञान उत्पादन पर निर्भर करता है। दुनिया भर में उच्च शिक्षा प्रणाली ने तकनीकी आयाम को अपनाया है। विभिन्न आयोगों ने शिक्षा प्रणाली पर समय–समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत किये है जो अनुभवजन्य शोध पर आधारित था। हालांकि अत्यधिक सूक्ष्मता के बढ़ने से गुणवत्ता और विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

उच्च शिक्षा में शोध और यूजीसी

उच्च शिक्षा शोध के क्षेत्र में यूजीसी की भूमिका एक महत्वपूर्ण और संगत संबंध हैं। यूजीसी एक भारतीय सरकारी निकाय है जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नियमन, आदर्शों की स्थापना और शिक्षागत विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है।

यूजीसी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानकों की स्थापना करना है, जिसका उच्चतम स्तर और गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। इसके लिए यूजीसी शिक्षा मंत्रालय के आधीन राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा नीतियों और आदर्शों के समर्थन का कार्य करता है। शोध यूजीसी के उद्देश्यों का महत्वपूर्ण भाग है और इसके माध्यम से यह प्राप्त करता है। शोध के माध्यम से, छात्रों को विशेषज्ञता प्राप्त करने का नवीनतम ज्ञान की खोज करने का अवसर मिलता है। यह उन्हें गहराई से अध्ययन करने की संकल्पना, अध्ययन और अनुसंधान कौशल का विकास करने का अवसर भी प्रदान करता है।

यूजीसी शोध के लिए विभिन्न योजनाएं, वित्त और अनुदान प्रदान करता है जो छात्रों को शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित करता है। यूजीसी द्वारा संचालित राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और जूनियर रिसर्च फेलोशिप परीक्षाएं भी शोध और उच्च शिक्षा क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए आयोजित की जाती हैं।

यूजीसी शोध को बढावा देने भरपूर प्रयासरत है, उच्च शिक्षा में नवीनतम ज्ञान, विचारशीलता, और अद्यतनता के स्तर को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता और निर्णायक सोच का आदान–प्रदान होता है। जो उन्हें उनके व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार यूजीसी उच्च शिक्षा में शोध को प्रोत्साहित करता है, जो छात्रों को नवीनतम ज्ञान की खोज करने और विशेषज्ञता प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करता है। यह विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्वतंत्रता और सामर्थ्य प्राप्त करने का अवसर देता है।

उच्च शिक्षा में शोध के उद्देश्य–

1. नवीनतम ज्ञान की खोज करना शोध का प्रमुख उद्देश्य होता है शोध में पारंगत क्षेत्र में नए और महत्वपूर्ण खोज का पता लगाया जा सकता है और साझा किया जा सकता है। जिससे शोध के क्षेत्र में नवीनतम और उन्नत विचार विकसित होते है।
2. छात्रों को नवीन विचारशील और नवोन्मेशन का विकास करने में सहायता करता है। शोधीय कार्य विवेचना करने, विचार करने, समस्याओं को पहचानने और नई विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करता है जिससे समस्याओं के समाधान विकसित करने में सक्रिय होते है।
3. उच्च शिक्षण संस्थानों के अपने शोध गुणवत्ता का मापदंड होता है। छात्र अपने शोध से विचारशीलता, अद्यनता और नवाचार की संरचित प्रशिक्षण प्राप्त करते है।
4. शोध से सामाजिक विकास को विकसित करने और समस्या समाधान के लिए नये विचारों को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने के लिए प्रयास करते है शोधीय छात्रों को समाज के लिए निरंतर उपयोगी और तकनीकि अभियांत्रिकी, सामाजिक नीति विकसित करने की प्रयासों का पता चलता है।
5. शोध छात्रों के स्वयं के स्वविकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शोध छात्रों को विकास और पर्यावरण, सामाजिक संगठन एवं अन्य क्षेत्रों में विकास के अवसर प्रदान करते है।
6. ये सभी उद्देश्य उच्च शिक्षा के मानस पटल विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है और छात्रों के नवीनतम ज्ञान, उन्नत विचार, विकास और सेवा की भावना की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

उच्च शिक्षा शोध का महत्व–

1. नए अज्ञात तथ्यों एवं विचारों को विकसित करना।
2. अद्यतन और एक स्वतंत्र विचारों का समर्थन करना।
3. उच्चतम स्तर के अध्ययन को प्रोत्साहन देना। जिससे गुणवत्ता और मानकों में सुधार हो सके।
4. शोध सामाजिक और आर्थिक महत्व को बढ़ाते हैं।

उच्च शिक्षा शोध में पुस्तकालय का योगदान

उच्च शिक्षा शोध में पुस्तकालय एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। यहां कुछ महत्वपूर्ण कारण हैं जो पुस्तकालय के योगदान को स्पष्ट करते हैं:–

पुस्तकालय उच्च शिक्षा शोध में ज्ञान की मुख्य आपूर्ति हैं विभिन्न विषयों पर लिखी गई पुस्तकें छात्रों को विस्तृत ज्ञान, सिद्धांत, और अवधारणात्मक देती हैं। यह उन्हें विषयों की मूलभुत संरचना, संगठन, और विशेषज्ञता के साथ परिचित कराती है। स्वतंत्र अध्ययन के लिए पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका यह भी है कि छात्रों को स्वतंत्र अध्ययन का अवसर प्रदान करती हैं, पुस्तकें छात्रों को उनकी प्राथमिकतानुसार विषयों पर अध्ययन को संगठित कर सकते हैं, रूचि के अनुसार गहराई से ज्ञान प्राप्त कर सकते है।

पुस्तकालय छात्रों को विषय में अद्यतनता देने का भी कार्य करता है। नवीनतम संस्करण और पुस्तकें छात्रों को विषय के नवीनतम विकास, अद्यतन, और वर्तमान उद्यमों के साथ अवगत कराती हैं। छात्र इसके माध्यम से नए और नवीनतम विचारों, सूचनाओं, और अनुसंधान का पता लगा सकते हैं। छात्रों को उच्च शिक्षा के माध्यम से पुस्तकालय द्वारा गहनता और प्रगति का अनुभव मिलता है। पुस्तकें विषय की गहराई में जा सकती हैं और विद्यार्थियों को विषय में अधिक प्रवीणता प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा, पुस्तकें छात्रों को स्वयं सेवा, समय–नियोजन और अनुशासन में सुधार करने की संभावना भी प्रदान करती हैं।

पुस्तकालय छात्रों एवं शोधकर्ताओं के विचारों को प्रशासनिक और सामाजिक प्रभाव देने में मदद करता है। यह छात्रों को सामाजिक मुद्दों, नैतिकता, और विचारों के विभिन्न पहलुओं के साथ परिचित कराता है, जो उन्हें समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाता है। पुस्तकालय उच्च शिक्षा के साथ एक महत्वपूर्ण और अभिन्न योगदान करता है जो छात्रों को ज्ञान, स्वतंत्र अध्ययन, अद्यतन, गहनता, प्रगति, और विचारों का प्रभाव प्रदान करता है। पुस्तकालय को समर्थन करना और छात्रों को पुस्तकों का उपयोग करने की प्रोत्साहन देना उच्च शिक्षा के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शोध के लिए उपयोगी ऑनलाइन डाटाबेस–

उच्च शिक्षा में शोध को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा हैं। विद्वत अकादमिक योग्यता में वृद्धि कर अपने जीवन विवरण को आकर्षक और शैक्षणिक समाज के शोध अनिवार्य हो गया है। आज शोध से संबंधित संसाधनों की अधिकता से उपयुक्त सूचना तक पहुंचने के लिए पाठकों को संघर्ष करना पड़ रहा हैं, शोधकर्ताओं को विभिन्न प्रकार से समस्याएं होती है उन्हें उपर्युक्त स्त्रोतों की जानकारी नहीं होती कि उनके शोध से संबंधित सामग्री कहां मिल सकती है। आज प्रौद्योगिकी विकास ने इस समस्या को काफी हद तक आसान बना दिया है जिससे ऑनलाइन स्वरूप में आज अनेकों ऐसे वेबसाइटों का डाटाबेस ऑनलाइन माध्यम में उपलब्ध है जिनका शोधकर्ता अपने शोध कार्यों के अध्ययन के लिए अधिगम करता है। कुछ ऑनलाइन डाटाबेस वेबसाइटों का विवरण निम्नानुसार दिया जा रहा है जिनका शोध कार्यों में सहयोग के लिए उपयोग किया जा सकता हैं–

गूगल स्कॉलर (https://scholar.google.com/)– गूगल स्कॉलर एक ऑनलाइन खोज सेवा है जो विभिन्न क्षेत्रों के विश्वविद्यालयीन और अन्य क्षेत्रों के शोधपत्रों आलेखों, शोधप्रबंध का सारगर्भित शोधार्थियों की खोज करने की सुविधा उपलब्ध कराती है। यह एक सरल और उपयोगकर्ता मित्रपूर्ण इंटरफेस प्रदान करता है। जिसमें खोज के लिए एक बॉक्स होता है जिसमें शोधकर्ता अपनी इच्छानुसार कुंजी शब्द लिखकर खोजने के लिए उपयोग कर सकता है। यह शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है, जिसमें विश्वसनीय और पीयर रिव्यूड शोध पत्रों सामग्री तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। यह गूगल द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

गूगल रिसर्च– गूगल रिसर्च ऑनलाइन उपलब्ध एक अनुशंसित समूह है जो गूगल द्वारा संचालित होता हैं। यह एक नयी तकनीक और वैज्ञानिक खोज, अद्यतन विचारों को विकसित ओर नवोन्मेषन का समर्थन करता है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों, अभियांत्रिकों और अन्य विषय विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में पहुंच प्रदान करता है। यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कम्प्यूटर विज्ञान, वाणिज्यिक, नवीनतम वेब आधारित, साइबर सुरक्षा और अन्य विषयों से संबंधित है।

रिसर्चगेट (www.researchgate.net)– इसकी शुरूआत 2008 से हुई है जिसमें लाखों शोधकर्ताओं का खोता बना हुआ है, यह एक ऑनलाइन सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट जो शोधकर्ताओं को एक दूसरे से जोड़ने का कार्य करता हैं। इसमें शोधकर्ता अपने कार्य को वैश्विक रूप से प्रस्तुत करने के लिए इस ऑनलाइन साइट में खाता बना कर अपने शोध पत्रों को अपलोड करते हैं एवं दूसरों

के शोध पत्रों को खोज सकते हैं। यह अपने परिचित शोधकर्ता या संस्थान के साथ जुड़ने का माध्यम भी हैं। किसी समस्या से संबंधित प्रश्नों पर अपने प्रश्न साझा किये जा सकते हैं।

अकेडमिया (https://www.academia.edu/) – अकेडमिया एक ऑनलाइन सूचना संसाधन वेबसाइट है, जहां पर सूचना निःशुल्क और आधारित दोनों संस्करणों पर उपलब्ध है। वेबसाइट पर उपलब्ध संसाधनों में शोधपत्र, पुस्तक अध्याय, लेख, प्रकाशित पत्र एवं कॉन्फ्रेंस पत्र शामिल है। शोधकर्ता अपने शोध पत्रों को अपलोड़ कर वैश्विक रूप से साझा कर सकते हैं एवं दूसरे के पत्र को पढ़ सकते है। इसमें लोग आपस में जुड़ सकते हैं और अपने शोत्र पत्रों के सांख्यिकी विश्लेषण ट्रैक कर सकते हैं।

साइंस डायरेक्ट (https://www.sciencedirect.com)- साइंस डायरेक्ट एक ऑनलाइन मंच है जो वैज्ञानिक, सामाजिक विज्ञान, तकनीकी एवं अन्य विषयों के अध्ययन की सामग्री प्रदान करता हैं यह एल्जेवियर का उत्पाद है और वैज्ञानिक जगत के लिए प्रमुख स्त्रोत है। यहां नवीनतम शोध, संबद्ध लेख और वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है। इसमें विभिन्न शोध पत्रिकाओं, पुस्तकों, कार्यशालाओं, कार्यवाही सम्मेलन प्रकाशनों के संग्रह प्रकाशित होते हैं। इसके माध्यम से लेखों को खोज, अध्ययन और डाउनलोड कर सकते हैं एवं दूसरों से साझा कर सकते है।

जेस्टोर (https://www.jstor.org)- जेस्टॉर एक डिजिटल पुस्तकालय एवं अकादमिक पत्रिका आयातक है जो शोधार्थियों और अन्य शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी संसाधनों तक पहुंच प्रदान करती है। इसमें शोध पत्रों, पत्रिकाओं, पुस्तकों और प्राथमिक स्त्रोंतों की वृहद संग्रह विद्यमान है। जेस्टोर पुराने शोध पत्रों को संग्रहित करता है। मूलरूप से जेस्टोर में शोत्र पत्रों के सार, अभिलेख या पूर्ण पाठ्य के द्वारा प्रतिलिपि मिलती है। जो उपयोक्ताओं के लिए विषय, सार, और आवश्यक कुंजी द्वारा खोज सीमा को सीमित करने में सहायता करते है।

साइटसीआरएक्स (https://citeseerx.ist.psu.edu/)- साइटसीआरएक्स एक ऑनलाइन डिजिटल पुस्तकालय है एवं एक खुली पहुंच सेवा है, जो मूलतः कम्प्यूटर और संबंधित अकादमिक वैज्ञानिक पत्रों, प्रलेखों की वृहद श्रृंखला प्रदान करता है जिसे उपयोगकर्ता शोध पत्रों पढ़ने और डाउनलोड करने के लिए इसका उपयोग करता है। यह एक खोज इंजन के रूप में कार्य करता है जो प्रकाशित शोध पत्रों को खोजने और डिजिटल रूप में प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक समुदाय को उनकी शोध और अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराना है, जिसमें नवीनतम वैज्ञानिक जानकारी और शोध से संबंधित पत्रों को साझा करने की सुविधा प्रदान करता है।

रेफसीक (https://www.refseek.com)- यह छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए शैक्षणिक उद्देश्यों को पूरा करने वाला सर्च इंजन है जो सभी के लिए आसानी से सुलभ है। इसमें पांच करोड़ से अधिक प्रलेखों को सर्च करता है, ऑनलाइन डाटाबेस सर्च इंजन में पुस्तकें, पत्रिकाएं, विश्वकोश, समाचार का अनुठा संग्रह है। यह अन्य सर्च इंजन की अपेक्षा शैक्षणिक और वैज्ञानिक परिणामों को ज्यादा दर्शाता है।

डीओएजे (https://doaj.org)- यह एक मुफ्त और स्वतंत्र अकादमिक आश्वयकताओं को पूरा करने वाला वैज्ञानिक विशेषज्ञ, सामाजिक विज्ञान और अन्य क्षेत्रों के प्रकाशनों की विस्तृत सूची है। जिसमें कला, मानविकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए उपयोगी खोज को पूरा करने वाला है। यह 2013 में शुरू हुआ था जिसमें उच्च गुणवत्ता के प्रकाशन सामग्री को उपलब्ध कराना था जो खुले पहुंच और मुफ्त हैं।

सीमेंटिक स्कॉलर (https://www.semanticscholar.org/) – यह एक खोज मशीन है जो शोत्र पत्रिकाओं, सम्मेलन कार्यवाहियों और अन्य वैज्ञानिक सामग्री की खोज करता है। इसका मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को प्रामाणिक सामग्री उपलब्ध कराना है जो शोधकर्ताओं को सूचना प्राप्ति , अद्यतन जानकारी और उन्नत सूचना प्रदान करने के लिए वैज्ञानिक समुदाय की सहायकता करना है। सीमेंटिक स्कॉलर में खोज के लिए ग्रॉफिक्स, शोध परियोजना, उद्धरण, वेबसाइट लिंक, सारांशों के बारे में जानकारी होती है।

निष्कर्ष एवं सुझाव–

अभी 24X7 की अवधारण परंपरागत तरीके से इतर कर गया है। ऑनलाइन शिक्षण और शोध प्रकिया के लिए पुस्तकें और पुस्तकालय संसाधनों का प्रयोग प्रभावित हुआ हैं लेकिन ऑनलाइन सूचना संसाधनों की उपलब्धता ने इसे सरल कर दिया है। किसी शोध संबंधित सामग्री या संदर्भ के लिए उपयोगी सूचना की तलाश करने के लिए ऑनलाइन डाटाबेस वेबसाइट उपलब्ध हैं जिससे शोधार्थियों के लिए कुछ समस्या को आसान बना दिया है। इंटरनेट पर उपलब्ध सूचना पर विश्वसनीयता का अभाव है, लेकिन वेबसाइट की विषय वस्तु, सूचना उपयोग की गोपनीयता ने इसे काफी हद तक सहायक बनाती है। प्रस्तुत पत्र में उच्च शिक्षा में होने वाले शोध और पुस्तकालय किस प्रकार से शोध में सहायक हो सकता है। जिससे विद्वत व्यक्तियों की अकादमिक उपलब्धि की उन्नति हो। ऑनलाइन माध्यम में आज अनेकों उपयोगी डाटाबेस उपलब्ध हो खुली पहुंच प्रदान करते है जिसके विषय वस्तु तक पहुंच प्रदान करने के लिए एक खाता प्रमाणन के बाद उपयोग किया जा सकता है जो शोधार्थियों के लिए बहुत ही लाभदायक है। इसके उपयोग को लगातार प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे अन्य होने वाले लागत को कम किया जा सके।

संदर्भ–

1. शर्मा, अरविंद कुमार 2012 ई–सूचनाः स्त्रोत एवं सेवाएं, एसएस प्रकाशन, नई दिल्ली, आईएसबीएन 978–81–7000–678–7, पेज 162–167.
2. साहू, रेखराज 2023 शोत्र पत्रों के लिए शैक्षणिक खोज इंजनः एक अध्ययन Impact of Information Technology in Multidisciplinary Research, isbn no. 978-93-93403-10-0, पेज संख्या 144–149.
3. कश्यप, डीडी 2023 उच्च शिक्षा के विकास में शोध का महत्व Impact of Information Technology in Multidisciplinary Research, isbn no. 978-93-93403-10-0, पेज संख्या –187–194.
4. Ana Paula Cabral, Isabel Huet, Research In Higher Education: The Role Of Teaching And Student Learning, Procedia - Social and Behavioral Sciences, Volume 29, 2011, Pages 91-97, ISSN 1877-0428.
5. Sirswal, Desh Raj, higher education and research in india: an overview, Intellectual Quest (ISSN 2349-1949) Vol-5, Jun 2016, p26-38.
6. https://doi.org/10.1016/j.sbspro.2011.11.211.
7. https://www.ugc.gov.in/oldpdf/pub/report/12.pdf
8. Https://Www.Researchgate.Net/Publication/315516972_Higher_Education_And_Research_In_India_An_Overview
9. https://www.ugc.gov.in/
10. https://scholar.google.com/
11. www.researchgate.net
12. https://www.academia.edu/
13. https://www.sciencedirect.com/
14. https://www.jstor.org/
15. https://www.refseek.com/
16. https://doaj.org/
17. https://www.semanticscholar.org/
18. https://citeseerx.ist.psu.edu/